बर्षः- 06
अंकः- 66
मुरादाबाद
(Friday)
26 June 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

वेनेजुएला के भूकंप पर पीएम मोदी का बयानः संवेदनाएं जताकर बोले प्रधानमंत्री, भारत करेगा हरसंभव मदद

वेनेजुएला में भूकंप के बाद दुनियाभर से मदद के एलान; रोड्रिगेज ने जताया आभार

♦ वेनेजुएला के साथ हमारी संवेदनाएं - बोले प्रधानमंत्री, भारत करेगा हरसंभव मदद

वेनेजुएला में एक के बाद एक आए दो शक्तिशाली भूकंपों से भारी तबाही हुई। राजधानी काराकास में कई इमारतें ढह गईं, एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। राष्ट्रपति रोड्रिगेज ने आपातकाल की घोषणा की है। राहत और बचाव कार्य जारी है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक हजारों लोगों के मारे जाने की आशंका है। राष्ट्रपति ने कहा है कि 32 मौतों की पुष्टि हुई है। वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप से मची तबाही पर यूरोपीय संघ (EU) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने सोशल मीडिया पर प्रभावित लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं और एकजुटता प्रकट की है। उन्होंने वेनेजुएला के नागरिकों को सांत्वना देते हुए लिखा, कल रात आए विनाशकारी भूकंप के बाद हम सभी वेनेजुएलावासियों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करते हैं। मैं विशेष रूप से पीड़ितों और उनके परिवारों के बारे में सोच रही हूं। संकट की इस घड़ी में हम आपके साथ हैं।वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने देश में आए दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मिल रही मदद और सहयोग के लिए वैश्विक नेताओं का धन्यवाद किया है। उन्होंने संकट की इस घड़ी में मानवीय सहायता और बचाव दल भेजने के फैसलों की सराहना की।फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा करते हुए प्रभावित लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। मैक्रों ने लिखा, देश में आए भूकंप के बाद वेनेजुएला के लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं और समर्थन। मैं पीड़ितों, उनके प्रियजनों और राहत कार्यों में लगे सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति व्यक्त करता हूं।वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन के प्रति आभार जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा %हम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन के आभारी हैं, जो वेनेजुएला के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में रहे हैं और इस त्रासदी के समय वेनेजुएला के लोगों को समर्थन और एकजुटता प्रदान कर रहे हैं, जिसने हमें शोक में डुबो दिया है।ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने वेनेजुएला में भूकंप से मची तबाही पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा %वेनेजुएला में भूकंप से हुई तबाही पर मुझे गहरा दुख है। मैंने विदेश मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह काराकास स्थित ब्राजीली दूतावास के साथ मिलकर स्थिति का आकलन करे और हर संभव सहायता के उपाय तलाशे। दुख की इस घड़ी में ब्राजील, कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार और वहां के साहसी लोगों के साथ खड़ा है। हम प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण में पूरा सहयोग देने का संकल्प दोहराते हैं।%वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने एक पर एक पोस्ट में देश में आए भूकंप पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा %मुश्किल की इस घड़ी में मेरा असीम स्नेह और मेरी प्रार्थनाए वेनेजुएला के हर घर के साथ हैं। इस कठिन समय में हममें हिम्मत, शांति और एकजुटता बनी रहे। ईश्वर वेनेजुएला के हर नागरिक, हमारे परिवारों और हमारे घरों की रक्षा करे। आज हम पहले से कहीं ज्यादा एकजुट हैं। बुधवार शाम दो शक्तिशाली भूकंप आए। इनकी तीव्रता 7.2 और 7.5 मापी गई। इस प्राकृतिक आपदा ने पूरे देश में भारी तबाही मचाई है। अब तक कम से कम 32 लोगों की जान जा चुकी है। करीब 700 लोग घायल हुए हैं। कई इलाकों में इमारतें गिर गई हैं और संचार व्यवस्था ठप हो गई है। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने जानकारी दी कि मृतको की संख्या बढ़ सकती है। बचाव दल अभी भी गिरी हुई इमारतों के मलबे में लोगों को तलाश रहे हैं। राहत टीमें प्रभावित जगहों तक पहुंचने की पूरी कोशिश कर रही हैं। इस संकट की घड़ी में अमेरिका ने मदद का हाथ बढ़ाया है। अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो ने सोशल मीडिया पर बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका तुरंत वेनेजुएला में खोज और बचाव दल भेजेगा। इसके साथ ही वहां चिकित्सा संसाधन और मानवीय सहायता भी भेजी जा रही है। अमेरिका की टीमें मलबे में दबे लोगों को सुरक्षित निकालने में स्थानीय प्रशासन की मदद करेंगी।कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज ने भूकंप के बाद तबाही के मद्देनजर देश को संबोधित भी किया। उन्होंने देशवासियों से एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा कि प्रभावित इलाकों में सरकार और संबंधित राहत और बचाव कार्य एजेंसियां हरसंभव मदद मुहैया करा रही हैं। रोड्रिगेज ने कहा, मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि 7.2 और 7.5 तीव्रता वाले भूकंपों से प्रभावित इलाकों में बचावकर्मी इमारतों के मलबों में तलाशी ले रहे हैं। आपातकालीन टीमें को प्रभावित इलाकों में भेजा जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

युवाओं से माफी मांगें और इस्तीफा दें, राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री पर फिर क्यों निशाना साधा?

राहुल गांधी ने एक बार फिर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधा और उन पर करोड़ों छात्रों के अपमान का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अपने अधिकारों की मांग कर रहे छात्रों को शिक्षा मंत्री ने दहशतगर्द कहा। ये सरकार के अहंकार को दिखाता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर तीखा हमला करते हुए उन पर छात्रों का अपमान करने का आरोप लगाया और मांग की कि वे देश के युवाओं से माफी मांगें और अपने पद से इस्तीफा दें। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अहंकारी हो गई है और अब उन छात्रों को निशाना बना रही है, जो अपने अधिकारों और निष्पक्ष परिक्षाओं और रोजगार की मांग उठा रहे हैं। राहुल गांधी बोले- करोड़ों युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेला गया राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, सत्ता के अहंकार में डूबी मोदी सरकार अब इस मुकाम पर पहुंच गई है कि अपने अधिकारों, निष्पक्ष परिक्षाओं और सुरक्षित भविष्य की मांग करने वाले छात्रों को ही शिक्षा मंत्री आतंकवादी कह रहे हैं। जरा सोचिए- जिसकी नाकामी से इतने पेपर लीक हुए, जिसके राज में 20 बच्चों ने जान दे दी, जिसने करोड़ों युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेल दिया। वो आज पीड़ित बच्चों और उनकी आवाज उठाने वालों को दहशतगर्द बता रहे हैं।%राहुल गांधी ने आगे लिखा कि %ये कोई नई बात नहीं है। अन्नदाता किसानों को आंदोलनजीवी और परजीवी कहा गया।

SIT के सामने पेश हुए संजय सिंहः बोले- आठ करोड़ में खरीदी गई चार करोड़ की जमीन, महाघोटाला हुआ, सबूत सौंपे

आप सांसद संजय सिंह बृहस्पतिवार को एसआईटी के सामने पेश हुए और अयोध्या में जमीनों की खरीद में हुए घोटाले के दस्तावेज सौंपे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के नाम पर महाघोटाला हुआ है।आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह बृहस्पतिवार को राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच के लिए बनाई गई विशेष जांच समिति के मुखिया विजय विश्वास पंत के सामने पेश हुए और अयोध्या में जमीनों की खरीद में हुए घोटालों का सबूत दिया। मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अयोध्या में जमीनों की खरीद में महाघोटाला हुआ है। चार करोड़ की जमीन कुछ ही दिनों के बाद आठ करोड़ में खरीदी गईं और इसमें राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों से जुड़े लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि महाघोटाले से जुड़े सबूत दस्तावेजों के रूप में एसआईटी को सौंप दिए गए हैं जिस पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया गया है। अब देखते हैं कि क्या कार्रवाई होती है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के नाम पर महाघोटाला हुआ है।एसआईटी रिपोर्ट ने ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल- एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के बीच एक ऐसा तथ्य सामने आया है, जिसने ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। वर्ष 2020 में ट्रस्ट के गठन के कुछ ही महीनों बाद निजी ऑडिट फर्म ने दान प्रबंधन, आभूषणों के रिकॉर्ड, वित्तीय निगरानी और प्रशासनिक व्यवस्था में गंभीर खामियों की ओर संकेत कर सुधार की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद ध्यान नहीं दिया गया।सूत्रों के मुताबिक फर्म ने रिपोर्ट में कहा था कि वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए जरूरी अभिलेखों का अभाव है और प्रबंधन की जवाबदेही तय करने वाली स्पष्ट प्रशासनिक व्यवस्था भी नहीं है। एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में भी चढ़ावे और वित्तीय प्रबंधन से जुड़े गंभीर सवाल उठे हैं, ऐसे में छह साल पुरानी इस ऑडिट रिपोर्ट को अपनी जांच का अहम आधार बन सकती है।सबकुछ पता था तब भी की अनदेखी = ट्रस्ट को चेताया गया था कि बिना मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के वित्तीय और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखना कठिन होगा। फर्म ने लेन-देन, डाटा प्रबंधन, मानव संसाधन और रिकॉर्ड संधारण के लिए विस्तृत एसओपी लागू करने की सिफारिश की थी।फर्म ने सबसे गंभीर टिप्पणी दान और आभूषणों के रिकॉर्ड को लेकर की थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि नकदी के अलावा प्राप्त होने वाले दान के लिए समुचित स्टॉक रजिस्टर और निगरानी तंत्र विकसित किया जाना चाहिए। बैंक समन्वयन और वित्तीय निगरानी के लिए प्रशिक्षित कर्मियों की कमी भी चिन्हित की गई थी। आईटी नियंत्रण को लेकर भी फर्म ने चिंता जताई थी। रिपोर्ट के अनुसार संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा, डेटा एंट्री की निगरानी और डिजिटल रिकॉर्ड के सत्यापन के लिए पर्याप्त नियंत्रण तंत्र मौजूद नहीं था।

यूपी भाजपा की नई टीम का एलानः राजनाथ सिंह के बेटे को मिला ये पद, पूजा पाल बनाई गईं उपाध्यक्ष

यूपी चुनाव के पहले भाजपा ने अपनी नई टीम का एलान कर दिया है। इस टीम में अन्य पिछड़े वर्ग को तरजीह देते हुए 19 उपाध्यक्ष, आठ महामंत्री और 19 संगठन मंत्री बनाए गए हैं।यूपी भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पहले नई टीम का एलान कर दिया है। भाजपा की नई टीम में ओबीसी को तरजीह दी गई है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के बेटे नीरज सिंह को भाजपा उपाध्यक्ष बनाया गया है। इनके अलावा पूजा पाल और सुरेश राणा को भी उपाध्यक्ष बनाया गया है। नई लिस्ट में 19 उपाध्यक्ष और 8 महामंत्री शामिल हैं। इसी तरह पश्चिम, ब्रज, कानपुर, अवध, काशी और गोरखपुर के क्षेत्रीय अध्यक्ष घोषित किए गए हैं। सरोज कुशवाह को महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। देवेंद्र सिंह किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं। अशोक रावत अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं। प्रकाश पाल पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। दिनेश प्रताप सिंह मुख्य प्रवक्ता बनाए गए हैं। रोहित मिश्रा भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं।इन नेताओं को मिली प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी- सुरेश राणा - उपाध्यक्ष सत्यपाल सैनी - उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर - उपाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र सिंह - उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल - उपाध्यक्ष देवेश कोरी - उपाध्यक्ष प्रियंका रावत - उपाध्यक्ष दुर्विजय शाक्य - उपाध्यक्ष रमेश सिंह - उपाध्यक्ष नीरज सिंह - उपाध्यक्ष अर्चना मिश्रा - उपाध्यक्ष पूजा पाल - उपाध्यक्ष शंकर गिरी - उपाध्यक्ष कामेश्वर सिंह - उपाध्यक्ष कृतिका अग्रवाल - उपाध्यक्ष सुरेश मौर्य - उपाध्यक्ष राजेश यादव - उपाध्यक्ष कृष्ण बिहारी राय - उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता - उपाध्यक्ष इन नेताओं को प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया गया रामप्रताप सिंह चौहान - महामंत्री गीता शाक्य - महामंत्री अभिजात मिश्रा - महामंत्री उपेंद्र रावत - महामंत्री संजय राय - महामंत्री शंकर लोधी - महामंत्री दिलीप पटेल - महामंत्री राजेश चौधरी - महामंत्रीइन नेताओं को संगठन में मंत्री पद दिया गया विजय शिवहरे - मंत्री बसंत त्यागी - मंत्री शिवभूषण सिंह - मंत्री सहजानंद राय - मंत्री अंकुर शर्मा - मंत्री अनिल यादव - मंत्री अवधेश श्रीवास्तव - मंत्री विनय राजभर - मंत्री प्रमेंद्र जांगड़ा विश्वकर्मा - मंत्री किरण लोधी निषाद - मंत्री एकेश बिंद - मंत्री सचिता सिंह चौहान (लूनिया) - मंत्री रजनी पांडेय - मंत्री राहुल वाल्मीकि - मंत्री महामेधा नागर - मंत्री दीपमाला संतोषी - मंत्री सुहासिनी जायसवाल - मंत्री यतेन्द्र शर्मा - मंत्री आकांक्षा सोनकर - मंत्री इन नेताओं को क्षेत्रीय अध्यक्ष पद दिया गया नवाब सिंह नागर - क्षेत्रीय अध्यक्ष (पश्चिम) पूरन लाल लोधी - क्षेत्रीय अध्यक्ष (ब्रज) राम किशोर साहू - क्षेत्रीय अध्यक्ष (कानपुर) अवधेश द्विवेदी - क्षेत्रीय अध्यक्ष (अवध) अशोक चौरसिया - क्षेत्रीय अध्यक्ष (काशी) विनोद राय - क्षेत्रीय अध्यक्ष (गोरखपुर) कार्यालय पदाधिकारी भारत दीक्षित - कार्यालय मंत्री अतुल अवस्थी - कार्यालय सह-मंत्री लक्ष्मण सिंह - कार्यालय सह-मंत्रीमीडिया एवं सोशल मीडिया की इन्हें मिली जिम्मेदारी व ये बने मोर्चा अध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह - मुख्य प्रवक्ता मनीष दीक्षित - प्रदेश मीडिया संयोजक हिमांशु राज पंडित - प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक मोर्चा अध्यक्ष- रोहित मिश्रा - प्रदेश अध्यक्ष (युवा मोर्चा) प्रकाश पाल - प्रदेश अध्यक्ष

अमेजन का भारत में बड़ा दांवः 48 अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश, प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद सीईओ का एलान

अमेजन ने भारत में 2026-2030 के बीच 48 अरब डॉलर के अतिरिक्त निवेश की घोषणा की। मुख्य कार्यकारी अधिकारी एंडी जेसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद यह जानकारी दी। यह निवेश क्लाउड, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोजगार सृजन पर केंद्रित होगा।दुनिया की दिग्गज ई-कॉमर्स और आईटी कंपनी अमेजन ने गुरुवार को भारत में 2026 से 2030 के बीच 48 अरब डॉलर की पूंजी निवेश करने की बात कही है। अमेजन के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर एंडी जेसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद इसका एलान किया। जेसी ने कहा, हमने 2010 से अब तक भारत में 40 अरब डॉलर का निवेश किया है। पिछले साल के अंत में हमने 2026 से 2030 के बीच भारत में 35 अरब डॉलर का निवेश करने का एलान किया और अब हम इस राशि को बढ़ाकर 48 अरब डॉलर कर रहे हैं। अमेजन का यह निवेश भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में बढ़ती मांग को पूरा करेगा।अमेजन के इस एलान के बाद कुल मिलाकर, 2010 से 2030 तक भारत में अमेजन की कुल वित्तीय प्रतिबद्धता 88 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगी। यह निवेश ई-कॉमर्स नेटवर्क, त्वरित वाणिज्य संचालन और प्रौद्योगिकी इंफ्रास्ट्रक्चर में संतुलित रहेगा। अमेजन के सीईओ ने प्रधानमंत्री के पिछले 12 वर्षों के दृष्टिकोण को जेसी ने उल्लेखनीय बताया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के लगभग हर पहलू में महत्वपूर्ण देश बन गया है। प्रधानमंत्री के पास देश को हर आयाम पर बेहतर बनाने के कई विचार हैं। क्या है निवेश का मुख्य उद्देश्य?- बढ़ी हुई वित्तीय प्रतिबद्धता का मुख्य कारण डिजिटल अर्थव्यवस्था में बढ़ती मांग है। कंपनी ने अपनी संसाधन आवंटन योजना को बढ़ाया है। इस पूंजी का एक विशिष्ट हिस्सा उन्नत डिजिटल प्रणालियों को लक्षित करता है। 13 अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश क्लाउड कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास में तेजी लाएगा। इससे क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर में कुल नियोजित निवेश 21 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा। यह पूंजी मुंबई और हैदराबाद में अमेज़न वेब सर्विसेज के डेटा केंद्र क्षमताओं का विस्तार करेगी।

संपादकीय Editorial

There is loot in the name of Ram...

In the context of the theft of offerings at the Ram Temple in Ayodhya, the crucial question now is why the Trust has not been dissolved. Trust members and their minions are accused not only of theft and robbery of offerings, but also of the disappearance of diamond and jewel necklaces, silver sandals, and other jewelry worn by Lord Ram. So, why are the accused still in the Ram Temple Trust? Trust member Anil Mishra faces corruption allegations from Dinanath Verma, an engineer at the Ram Temple, that he demanded a 40% commission on construction projects. A substantial construction scam has been perpetrated by creating fake bills. We cannot confirm these allegations, but the mud has been splattered! The most objectionable and illegal matter is believed to be how and why the Trust's General Secretary, Champat Rai Bansal, purchased "Nazul land." One example has emerged: why Nazul land worth ?2.92 crore was purchased for ?23-24 crore? Nazul land is government property, entrusted to the state government. This land can be leased, but it cannot be bought or sold. Allegations of such corrupt land-related irregularities have been circulating since before the construction of the Ram Temple even began. Just two or three days ago, Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath was on a visit to Ayodhya, but the Trust was given clear orders to keep Champat Rai and other accused and suspects away from him. Why? Has the Special Investigation Team made some "explosive revelations" to the Chief Minister? Champat Rai, Anil Mishra, Gopal Rao, Subhash Srivastava, etc., face serious charges, and all are former RSS officials. Is this why Sarsanghchalak Mohan Bhagwat, Sarkaryavah Dattatreya Hosabale, and Prime Minister Modi are silent? Nripendra Mishra, former Principal Secretary to the Prime Minister and Chairman of the Ram Temple Construction Committee, has described the theft of offerings as "robbery" in TV interviews and raised questions about the purchase of Nazul land. Despite this, Champat Rai's moral integrity is being praised, claiming he wouldn't even steal rice from a puja plate. He is simply a fakir and a saintly figure. The question is: can a temple that receives donations worth crores and has been spent on construction and maintenance be entrusted with the responsibility of administering it to a 'saint or fakir'? Is the trust itself divine, or are its members and associates special 'Ram devotees'? This trust was formed by the Union Home Ministry, following the Supreme Court's direction and Prime Minister Modi's orders. What is the impetus behind this impending collapse? However, there are now rumors that a recently retired IAS officer could be appointed CEO of the Ram Temple Trust, potentially leading to some serious backlash. Indeed, we have a profound belief that Lord Ram is the soul, the life, the thoughts, the prayers, and the boundless dignity of the nation. Such faith and devotion of millions of Ram devotees cannot be betrayed. The impression cannot be created that the Ram Temple is a den of plunder and theft. This country will not tolerate even the slightest disillusionment with Ram. There is no plunder of the name of Ram that anyone can plunder! A serious question is why no Shankaracharyas, Ramanujacharyas, or Mahamandaleshwar saints from the Akharas were included in the Ram Temple Trust? Why was the trust formed solely of the Sangh Parivar? Prime Minister Modi is a staunch opponent of nepotism. However, allegations surfaced during the protests regarding numerous "Ram Shilas" (stones of Ram). Among them were silver stones. This theft and robbery have also occurred at the Tirupati Temple, Vaishno Devi Temple, Kashi Vishwanath Temple, Shirdi Sai Baba Temple, and more. Embezzlement and robbery worth crores of rupees.

Indigenous Military Power

It is good that the private sector has also started contributing to the production of defense equipment. As a result, India's defense exports have increased in the last few years and currently reach ?38,000 crore. Three indigenous naval ships were launched in Kolkata.

Defense production increased from ?40,000 crore to ?1.8 lakh crore. Defense exports reached ?38,000 crore, with supplies to 80 countries. The three naval ships, INS Dunagiri, INS Sanshodhan, and INS Agraya, launched by the Prime Minister at the Shyama Prasad Mukherjee Port in Kolkata, are unique in that they are indigenously designed and built. This is undoubtedly an achievement and underlines the fact that India should no longer remain a mere buyer in the defense sector, but must produce more of its defense equipment domestically.

This is essential because, nowadays, a country's military strength is not only judged by the number and type of weapons it possesses, but also by how much defense equipment it produces on its own. If India is to become self-reliant, defense equipment must be a key consideration. It is unfair that India is still considered a major importer of defense equipment. The good news is that this situation is gradually changing. Significantly, over 40 indigenously built warships and submarines have been inducted into the Indian Navy in the last few years. There was a time when India imported every small and large defense equipment, posing strategic and security challenges. It is noteworthy that in the past decade, domestic defense production has gained momentum. This has also led to an increase in defense production in the country. While India's total defense production was ?40,000 crore in 2014, it has now increased to ?1.8 lakh crore. This underscores self-reliance in defense equipment, but much remains to be achieved. Until recently, most defense equipment production in India was conducted by public sector enterprises. This slowed the pace of defense production and prevented the production of advanced defense equipment. It is a good thing that the private sector has also begun to contribute to defense equipment production.

As a result, India's defense exports have increased over the past few years and currently reach ?38,000 crore. Indian defense products are now exported to approximately 80 countries worldwide.

While it is true that the target has been set to increase defense exports to ?50,000 crore by 2029, it should be noted that many defense equipment production projects in the country remain pending. The reasons for these delays should be identified and addressed on a priority basis.

Public Trust Eases Life

The shift is simply a matter of perspective. Governance is now moving from suspicion to trust, from prosecution to reform, and from fear to freedom. The Public Trust Act amends 784 provisions of 79 laws. Decriminalizing minor offenses makes life easier for citizens. It also promotes foreign investment in India by reducing judicial burden. India's regulatory system has always operated with a dilemma, often resulting in severe consequences for citizens due to minor procedural errors or mere allegations. The Modi government has initiated a significant shift, promoting governance rooted in trust, empathy, and respect for every citizen. Prime Minister Narendra Modi has taken significant steps to reform India's legal landscape by supporting citizens and businesses, simplifying compliance, and addressing practical difficulties faced by businesses. Whether it's reducing compliance burdens, increasing digitization, or single-window clearances, the overall objective of the changes has been to make governance more rational and efficient. The Prime Minister's mantra of governance based on trust and empathy is clearly reflected in the Public Trust Act, 2026, and a similar law in 2023. To create a citizen-friendly regulatory environment and encourage compliance, the new law adopts clear principles for dealing with minor offenses: warning before punishment, setting penalties commensurate with the severity of the offense, prompt and transparent resolution, and a dynamic penalty framework that is periodically revised to ensure enforcement remains effective, relevant, and responsive over time. This approach represents a major shift in compliance and enforcement, consistent with the Prime Minister's view that the aspirations of 21st-century India cannot be met through the old methods of colonial governance. The scale of this reform is unprecedented. The Public Trust Act amends 784 provisions related to 79 central laws across 23 ministries. It decriminalizes 717 provisions and rationalizes 67 provisions to make life easier for people. This is the largest decriminalization initiative in the legislative history of independent India. It rationalizes over 1,000 offenses and strengthens the system of adjudication and appeal outside the criminal courts by eliminating old, obsolete offenses. Under the previous system, a person could be imprisoned for up to three months for failing to provide a satisfactory explanation regarding their presence in a house, building, or vehicle between sunset and sunrise. This provision, which was viewed with suspicion during the colonial period as a normal movement, has been abolished. Previously, driving immediately after the expiry of one's driving license was considered a crime. The new law provides a 30-day grace period on this front. Similarly, failing to update registration details under the Apprenticeship Act was previously a criminal offense, but now strict action will be taken only for repeated violations. Previously, a mining company's documentation failure could result in imprisonment, but now a mere fine is sufficient. In this context, the Public Trust Act truly embodies PM Modi's efforts to ease the lives of all citizens. This has been his primary mission during his 12 years of service as Prime Minister, and before that, as Chief Minister of Gujarat. The Public Trust Act 2026 builds on a crucial pillar. India decriminalized 183 provisions of 42 Acts through the first Public Trust Act in 2023. This effort demonstrated that decriminalization can improve governance without weakening the enforcement process. The 2026 Act expands this process nearly fourfold, indicating that this is not a one-time initiative but a continuous process towards reform. Overall, replacing less serious criminal provisions with administrative and monetary measures is not only welcome for the common citizen but also helps small businesses. This will also allow enforcement agencies to focus on serious violations rather than routine technical errors. At the same time, courts can focus on cases that truly require judicial intervention. The benefits of easing regulations are also accrued to the economy and investment. In an increasingly competitive global economy, the credibility of regulations is crucial. For years, the fear of legal action for minor violations was a major barrier to investment, but now the results of easing regulations are clearly visible in investment trends. Foreign direct investment (FDI) in the country increased by 143 percent between 2014 and 2025, a trend that continues to accelerate. Clearly, these steps are aimed at further accelerating this trend by making India a more reliable and stable destination for investment and business. Such reforms will also provide relief to the judicial system. Approximately 55 million cases are pending in various courts across the country, and a large number of these involve minor violations that have now been decriminalized. Referring such cases for administrative decision is not just a business reform but also a judicial reform. This allows the courts to focus their limited time and resources on serious disputes and pressing questions of justice. Meanwhile, it should not be forgotten that strict action will continue for serious violations. Where strictness is necessary, the law will remain absolutely strict. The only change is in approach. Governance is now moving from suspicion to trust, from prosecution to reform, and from fear to freedom.

Humans First, Vehicles Next

Various courts have periodically issued decisions in public interest, but their implementation needs to be examined. Following the Supreme Court's decision on footpaths, a survey of footpaths should now be conducted in every city and town. Safe walking on footpaths has been declared a fundamental right. Pedestrian rights are more important than those of vehicles. Municipal bodies have been assigned responsibility for footpaths. The country's Supreme Court recently delivered a judgment that is not only a legal decision but also raises serious questions about our approach to development. The Supreme Court stated that safe walking on footpaths is a fundamental right of every citizen, and the rights of pedestrians on roads are more important than those of motor vehicles. The court stated that humans learned to walk long before the advent of wheels. This is not only a historical fact but also a profound commentary on our urban and rural development policies. This judgment was delivered during the hearing of a tragic case in which a father lost his five-year-old son in a road accident. The court did not limit the matter to compensation; it also granted pedestrian rights the status of a fundamental right by linking them to Articles 19 and 21 of the Constitution. The court also pointed out the shortcomings of the Motor Vehicles Act. To understand why the Supreme Court's decision is significant and far-reaching, several factors need to be considered.

बहजोई की राइस मिल में हादसा, 15 फीट गहरे चैंबर में उतरे दो मजदूरों की जहरीली गैस से मौत

संभल के बहजोई क्षेत्र स्थित राइस मिल में बृहस्पतिवार को बड़ा हादसा हो गया।
मक्का सुखाने वाले एलीवेटर के करीब 15 फीट गहरे चैंबर में उतरे दो मजदूरों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई।
घटना के बाद मिल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों मजदूरों के शव बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

भारत-ताजिकित्सान के बीच सांस्कृतिक-शैक्षणिक आदान-प्रदान पर चर्चा

बुधवार को ताजिकिस्तान गणराज्य के राजदूत लुकमोन बोबोकालोंज़ोदा रामपुर पहुंचे। उन्होंने गांधी समाधि पर पुष्प अर्पित किए। वहीं रजा लाइब्रेरी के निदेशक डॉ. पुष्कर मिश्र के मध्य सांस्कृतिक-शैक्षणिक आदान-प्रदान तथा भारत-ताजिकिस्तान संबंधों को सुदृढ बनाने को लेकर चर्चा हुई।राजदूत ने दीवान-ए-बेदिल, जखीरा-ए-ख्वारज्मशाही, रागमाला एलबम का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने पुस्तकालय के भव्य दरबार हॉल, पांडुलिपि अनुभाग तथा संरक्षण प्रयोगशाला को देखा।
राजदूत ने कहा कि भारत के अनेक प्रसिद्ध कवियों एवं विद्वानों ने फारसी तथा ताजिक साहित्य और काव्य परंपरा को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसकी झलक यहां सुरक्षित दुर्लभ ग्रंथों एवं पांडुलिपियों में देखने को मिलती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पुस्तकालय में संरक्षित ये अमूल्य ग्रंथ एवं पांडुलिपियां भविष्य में व्यापक स्तर पर शोध, अध्ययन एवं प्रकाशन के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा विद्वानों के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि ताजिकिस्तान और रजा लाइब्रेरी के मध्य सहयोग को आगे बढ़ाने तथा दोनों देशों की साझा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न संस्थानों के साथ संपर्क स्थापित करने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। लाइब्रेरी के अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संबंध सलाहकार समिति के सदस्य प्रो. रमाकांत द्विवेदी भी उपस्थित रहे। चर्चा के दौरान दोनों देशों के संस्थानों के मध्य सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ बनाने तथा भविष्य में समझौता ज्ञापन संपादित करने की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने आगे बताया कि लाइब्रेरी के संग्रह में कुछ ऐसी महत्वपूर्ण पांडुलिपियां एवं ग्रंथ सुरक्षित हैं जिनका प्रत्यक्ष संबंध ताजिकिस्तान की ऐतिहासिक, भाषाई एवं सांस्कृतिक परंपराओं से है। इस संदर्भ में राजदूत ने आश्वासन दिया है कि ताजिकिस्तान से विद्वानों एवं शोधार्थियों को रजा लाइब्रेरी भेजा जाएगा, ताकि वे इन दुर्लभ ग्रंथों, लिपियों एवं भाषाई परंपराओं का गहन अध्ययन कर सकें।किताबों का ताजमहल कही जाती है लाइब्रेरी निदेशक डॉ. पुष्कर मिश्र ने ताजिकिस्तान के राजदूत लाइब्रेरी के गौरवशाली इतिहास, यहां संरक्षित दुर्लभ पांडुलिपियों, संरक्षण प्रयोगशाला की कार्यप्रणाली तथा डिजिटलीकरण एवं शोध से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी दी। कहा कि लाइब्रेरी अपनी अद्वितीय स्थापत्य गरिमा एवं दुर्लभ संग्रह के कारण इसे किताबों का ताजमहल भी कहा जाता है तथा विश्व की सुंदरतम लाइब्रेरी में इसकी विशेष पहचान है। बताया कि मध्य एशिया और पश्चिम एशिया के देशों की इस संग्रह के प्रति गहरी रुचि रही है।

सीएम योगी की पहल: मुरादाबाद में बना सीनियर सिटीजन केयर सेंटर, बुजुर्गों को मिलेगा संवाद और सुकून का ठिकाना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मुरादाबाद नगर निगम ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए वातानुकूलित सीनियर सिटीजन केयर सेंटर तैयार किया है। केंद्र का उद्देश्य बुजुर्गों को अकेलेपन से दूर कर सामाजिक मेलजोल का अवसर प्रदान करना है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पहल के तहत मुरादाबाद नगर निगम ने बुजुर्गों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त वातानुकूलित सीनियर सिटीजन केयर सेंटर तैयार किया है। इस केंद्र का उद्देश्य बुजुर्गों को ऐसा मंच उपलब्ध कराना है जहां वह अपनी उम्र के लोगों के साथ समय बिता सकें।
इसके साथ ही आपस में संवाद कर अकेलेपन की समस्या से बाहर निकल सकें। अधिकारियों ने बताया कि बदलती सामाजिक परिस्थितियों में पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी और बुजुर्गों में अकेलेपन की भावना को देखते हुए इस केंद्र की परिकल्पना की गई है।उन्होंने कहा कि यहां वरिष्ठ नागरिक एक-दूसरे के साथ बैठकर बातचीत कर सकेंगे और सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि केंद्र में बुजुर्गों के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।इसके अलावा बच्चों के लिए भी विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे परिवार के सदस्य एक साथ समय बिता सकें। बताया गया कि मुख्यमंत्री ने काफी समय पहले इस अवधारणा को लेकर निर्देश दिए थे। जिसके अनुरूप इस परियोजना को तैयार किया गया है।

लखनऊ अग्निकांड के बाद मुरादाबाद में प्रशासन का एक्शन, दो कोचिंग सेंटर समेत 6 इमारतें सील

लखनऊ अग्निकांड के बाद मुरादाबाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए बुधवार को छह प्रतिष्ठानों को सील कर दिया।लखनऊ अग्निकांड के बाद मुरादाबाद प्रशासन सक्रिय हुआ। इनमें अस्पताल, कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी शामिल हैं। लखनऊ में अग्निकांड के बाद मुरादाबाद प्रशासन हरकत में आया है।
दो दिन में 35 प्रतिष्ठानों के सेफ्टी ऑडिट, एक कोचिंग सेंटर चाणक्य एकेडमी को सील करने बाद बुधवार को मुरादाबाद विकास प्राधिकरण ने छह प्रतिष्ठानों को सील कर दिया। जिसमें दो कोचिंग सेंटर, एक लाइब्रेरी व तीन हॉस्पिटल शामिल हैं। इसके अलावा अग्निशमन विभाग की ओर से तीन कोचिंग संस्थानों व एक लाइब्रेरी संचालक को नोटिस जारी किया गया है। एमडीए ने जिन तीन हास्पिटल को सील किया है उसमें अल्फा हॉस्पिटल सेक्टर-पांच, क्योर हॉस्पिटल नया मुरादाबाद व दीपा हॉस्पिटल का नाम शामिल है।लाइनपार की वंडर्स लाइब्रेरी के साथ दो कोचिंग संस्थानों को भी सील किया गया है। प्रशासन की ओर से गठित पांच टीमों की अलग-अलग कार्रवाई जारी है। लिहाजा, देरशाम तक कार्रवाई का आंकड़ा बढ़ने की उम्मीद है।
डीएम डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने बताया कि सभी प्रतिष्ठानों का सेफ्टी आडिट कराया जा रहा है। नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की जा रही है।

त्रिशूल रक्षा संग्रहालय और श्रीराम वाटिका के लोकार्पण की तैयारी तेज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के इस महीने के अंत तक प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए जिले में तैयारियां तेज हो गई हैं। इन दोनों के हाथों बुद्धि विहार स्थित त्रिशूल रक्षा संग्रहालय और श्रीराम वाटिका का को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दुरुस्त कराने में लगे हैं। वहीं मुख्यमंत्री कर सकते हैं। इसके निर्माण को अंतिम पैंसिया ने मंगलवार को निरीक्षण किया करोड़ रुपये की लागत से निर्मित तैयार कर दिया गया है। इसमें तीनों को मिलेगा। युद्धपोत, लड़ाकू विमान, जाने वाली रणनीति के तहत बने बंकर अत्याधुनिक हथियारों के माडल रक्षा गए हैं। अपनी तरह का यह देश का लिए दिल्ली में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह आन्जनेय कुमार सिंह और नगर आयुक्त है।वहीं, योगी आदित्यनाथ ने भी

उद्घाटन प्रस्तावित है। इसके चलते तैयारियों अधिकारी दिन-रात भागदौड़ कर व्यवस्था गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय का भी निरीक्षण रूप देने के लिए जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र था।बुद्धि विहार में नगर निगम द्वारा 36 त्रिशूल रक्षा संग्रहालय को उद्घाटन के लिए सेनाओं के शौर्य व पराक्रम का दर्शन लोगों थलसेना के द्वारा युद्ध के दौरान अपनाई आदि को प्रदर्शित किया गया है। मंत्रालय के सहयोग से यहां स्थापित किए अनूठा रक्षा संग्रहालय है। इसके उद्घाटन के से महापौर विनोद अग्रवाल, मंडलायुक्त दिव्यांशु पटेल की मुलाकात हो चुकी उद्घाटन कार्यक्रम में आने की सहमति दे चुके हैं। इसके अलावा श्रीराम वाटिका का भी उद्घाटन किया जाना है। जिसके लिए वाटिका में सभी तैयारी हो गई है। दिल्ली रोड पर नगर निगम की ओर से सफाई आदि का कार्य युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है। देर रात तक अधिकारी भाग-दौड़ कर रहे हैं। मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह ने मंगलवार देर रात जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया, नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल के साथ त्रिशूल रक्षा संग्रहालय, सीनियर सिटीजन केयर सेंटर आदि का भ्रमण कर तैयारियों को देखा था। उन्होंने यहां तक आने-जाने वाले रास्तों को भी दुरुस्त कराने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री के द्वारा अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक और सीएम ग्रिड आदि के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण, गुरु जम्भेश्वर विवि के निर्माणाधीन भवन के निरीक्षण आदि को देखते हुए अधिकारी तैयारियों में जुटे हैं। हालांकि जिला प्रशासन का कहना है कि अभी अंतिम रूप से कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है। लेकिन इस महीने के अंत में मुख्यमंत्री और रक्षामंत्री का आना लगभग तय है।

संक्षिप्त समाचार

कंपनी से हिंदू कर्मचारियों को निकालने के आरोप में हंगामा, फिर लिया वापसी; पहुंचे श्रम विभाग और पुलिस अधिकारी

मुरादाबाद की मेहराज एक्सपोर्ट फर्म में हिंदू कर्मचारियों को निकालने के आरोप पर हंगामा हुआ, जिसके बाद पुलिस और श्रम विभाग के हस्तक्षेप से उन्हें वापस काम पर रखा गया।मेहराज एक्सपोर्ट फर्म से हिंदू

कर्मचारियों को निकालने का आरोप। पुलिस और श्रम विभाग के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ। कर्मचारियों को वापस काम पर लिया गया, बोनस का आश्वासन। मेहराज एक्सपोर्ट फर्म से हिंदू कर्मचारियों को निकालने के आरोप में हंगामा हो गया। एकजुट कर्मियों ने फर्म के बाहर खड़े होकर हंगामे का लाइव वीडियो व फोटो इंटरनेट मीडिया एक्स पर पोस्ट कर दिया। इसका संज्ञान लेकर बुधवार शाम को पुलिस व श्रम विभाग की टीम मौके पर पहुंची। इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने बताया कि फर्म संचालक जुल्फिकार हुसैन से पुलिस व श्रम विभाग के अधिकारियों ने बात की। इसके बाद कर्मचारियों को वापस काम पर ले लिया गया और मामला शांत हुआ।दिल्ली रोड स्थित मेहराज एक्सपोर्ट नाम से निर्यात फर्म है। मंगलवार रात कर्मचारियों ने फर्म के बाहर हंगामा कर दिया। आरोप था कि हिंदू कर्मचारियों से काम न कराने की बात कहकर निकाला गया है। इससे कर्मचारी आक्रोशित हो गए।सभी कर्मचारियों को मिलता था बोनस- कर्मचारी ललित कुमार, मुन्नू, अभिषेक, विजयपाल, कौशल, सतेंद्र कुमार निवासी लोधीपुर राजपूत, शनी शर्मा निवासी गिन्दौड़ा ने जारी वीडियो में बताया कि ईद पर फर्म की ओर से सभी कर्मचारियों को बोनस मिलता था। इस बार सिर्फ मुस्लिमों को ही बोनस दिया गया।हंगामे की पूरी तस्वीर वीडियो संग एक्स पर पोस्ट से अफरातफरी मच गई। मेहराज एक्सपोर्ट के संचालक जुल्फिकार हुसैन ने बताया कि अमेरिका कंटेनर भेजे गए थे। वहां से उत्पाद रिजेक्ट हो गए। इस बात को लेकर बेटे ने डांटते हुए बोला था कि तुमसे काम नहीं कराएंगे। फर्म मालिक प्यार करता है तो कभी डांट भी सकता है। काम हल्का होने की वजह से बोनस में देरी हुई थी। सभी को बोनस भी देंगे।

टैक्सपेयर्स ध्यान दें! 30 जून तक आ सकता है स्क्रूटनी नोटिस, गलती की तो फंसेगा पेंच

आयकर विभाग ने कारोबारियों और पेशेवरों के लिए ढ्ढञ्जक्र-3 फॉर्म ऑनलाइन उपलब्ध करा दिया है। करदाताओं को 30 जून तक स्क्रूटनी नोटिस मिलने की संभावना है, इसलिए सभी वित्तीय दस्तावेजों का मिलान कर ही रिटर्न दाखिल करें।आयकर रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया के बीच जिले के कारोबारियों, पेशेवरों और वेतनभोगी करदाताओं के लिए कई महत्वपूर्ण अपडेट सामने आए हैं। आयकर विभाग ने व्यवसाय और पेशे से आय अर्जित करने वाले करदाताओं के लिए आईटीआर-3 फार्म को आनलाइन उपलब्ध करा दिया है। इसके साथ ही रिटर्न की जांच के लिए नोटिस जारी करने की समयसीमा को लेकर भी करदाताओं की निगाहें 30 जून पर टिकी हैं। कर विशेषज्ञ सौरभ मदान के अनुसार मुरादाबाद में बड़ी संख्या में कारोबारी, चिकित्सक, अधिवक्ता, आर्किटेक्ट, ठेकेदार और अन्य पेशेवर आईटीआर-3 के माध्यम से अपना आयकर रिटर्न दाखिल करते हैं। जिन करदाताओं के खातों का आडिट नहीं होना है, वे 31 अगस्त तक अपना रिटर्न दाखिल कर सकेंगे।दूसरी ओर, आयकर विभाग की ओर से रिटर्न की जांच के लिए जारी किए जाने वाले स्क्रूटनी नोटिस को लेकर भी करदाता सतर्क हैं। विभागीय जानकारों के अनुसार निर्धारित मामलों में 30 जून तक नोटिस जारी किए जा सकते हैं। सीए के अनुसार, सरकार ने कुछ भत्तों और छूट संबंधी प्रविधानों में संशोधन किए हैं।कर्मचारियों को मिलने वाले कुछ कर-मुक्त भत्तों की सीमा में बदलाव किया गया है,

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मोहर्रम जलूस को लेकर भारी वाहनों की नो-एंट्री...

यातायात पुलिस ने जारी की एडवाइजरी इन रास्तों पर रहेगा डायवर्जन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मोहर्रम पर्व को देखते हुए शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस ने बड़ा ट्रैफिक प्लान जारी किया है। 26 जून 2026 को सुबह 8 बजे से रात 12 बजे तक भारी वाहनों के लिए डायवर्जन व्यवस्था लागू रहेगी। यातायात पुलिस के अनुसार झुमका तिराहे से मिनी बाईपास की ओर सभी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा, जबकि परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र के वाहन ट्यूलिया अंडरपास से आवागमन कर सकेंगे।

दिल्ली, मुरादाबाद और रामपुर की ओर से आने वाले वाहनों को विल्वा पुल, इज्जतनगर, डेलापीर, विलयधाम और बैरियर-2 होते हुए शहर में प्रवेश दिया जाएगा। वहीं शहर से दिल्ली, नैनीताल, पीलीभीत और शाहजहांपुर जाने वाले वाहन भी वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करेंगे।

इन्वर्टिस तिराहे से सेटेलाइट बस स्टेशन की ओर भी यातायात प्रतिबंधित रहेगा। बसों और अन्य वाहनों के लिए विलयधाम-बैरियर-2 मार्ग निर्धारित किया गया है।

सेटेलाइट बस स्टेशन से इसाइयों की पुलिया, मालियों की पुलिया और वियावान कोठी की ओर जाने वाले मार्गों पर रोक रहेगी। वाहन सौ फुटा, डेलापीर और श्यामतगंज पुल के रास्ते संचालित होंगे।

इज्जतनगर तिराहे से कुदेशिया पुल, महादेव पुल और किला की ओर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। यात्रियों से अपील की गई है कि अनावश्यक यात्रा से बचें और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें ।

लखनऊ में हुए दर्दनाक अग्निकांड में जान गंवाने वाले छात्र-छात्राओं की याद में आयोजित शोक सभा

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय परिवार ने जताया गहरा दुःख

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में 22 जून को हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया। इस हृदयविदारक घटना में 15 छात्र-छात्राओं सहित कई लोगों की असमय मृत्यु हो गई। इस दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वाले मासूमों की आत्मा की शांति के लिए महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय परिवार की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने कहा कि अलीगंज अग्निकांड की घटना अत्यंत पीड़ादायक और मन को विचलित कर देने वाली है। इस हादसे में कई मासूम छात्र-छात्राओं के जीवन का यूं अचानक समाप्त हो जाना पूरे समाज के लिए गहरी क्षति है। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा महाविद्यालय परिवार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है।

उन्होंने कहा कि इन युवा चेहरों के सपने और भविष्य एक पल में छिन गए, जिसकी पीड़ा शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और उनके परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

वहीं महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति (रजि.), बरेली के अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल (फन सिटी), वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेम शंकर अग्रवाल, महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित) एवं कोषाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र अग्रवाल ने भी घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि यह दुर्घटना केवल कुछ परिवारों की नहीं बल्कि पूरे समाज की अपूरणीय क्षति है। कई युवा सपने हमेशा के लिए बुझ गए। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और पीड़ित परिवारों को इस कठिन समय में धैर्य एवं साहस प्रदान करें।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने पूरन लाल लोधी को बनाया ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश टीम की घोषणा करते हुए वरिष्ठ नेता पूरन लाल लोधी को ब्रज क्षेत्र का क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी के इस फैसले को आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति और सामाजिक समीकरणों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। संगठन में लंबे समय से सक्रिय पूरन लाल लोधी को बड़ी जिम्मेदारी देकर भाजपा ने अनुभवी नेतृत्व पर भरोसा जताया है। संगठन के पुराने सिपाही पूरन लाल लोधी लंबे समय से भाजपा संगठन से जुड़े रहे हैं और विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके हैं। पूरन लाल लोधी इससे पहले बरेली में भाजपा के जिलाध्यक्ष का पद भी संभाल चुके हैं। जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के बीच उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका और पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा को देखते हुए नेतृत्व ने उन्हें ब्रज क्षेत्र जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

गंगाशील समूह के संस्थापक डॉ. एन.के. गुप्ता का निधन, शोक की लहर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली द्य गंगाशील समूह के संस्थापक, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. (डॉ. एन.के. गुप्ता) है। उनका दिल्ली के इलाज चल रहा था। गुरुवार सुबह डॉ. आखिरी सांस ली। चिकित्सक और नवल किशोर गुप्ता का निधन हो गया एक अस्पताल में इलाज के दौरान एन.के. गुप्ता ने उनके निधन की खबर से चिकित्सा जगत, सामाजिक क्षेत्र और उनके शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई। मॉडल टाउन श्मशान घाट पर होगा अंतिम संस्कार डॉ. प्रमेंद्र माहेश्वरी के अनुसार गुरुवार शाम 6-30 बजे बरेली के मॉडल टाउन श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।

आवास सूची से नाम कटने पर मचा कोहराम, सचिव और प्रधान बेबस, जनपद की कई ग्राम पंचायतों में छाया सन्नाटा

क्यूँ न लिखूँ सच / पीलीभीत। पूरनपुर देहात समेत जनपद की तमाम ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची से बड़े पैमाने पर नाम कटने के बाद हाहाकार मचा हुआ है। पात्र गरीब अपनी छत खोने के डर से दर-दर भटकने को मजबूर हैं, लेकिन इस बदहाली के बीच पंचायत के जिम्मेदार सचिव और प्रधान भी खुद को असहाय बता रहे हैं।उनका साफ कहना है कि ऊपर के स्तर से अचानक सूची से नाम गायब हो गए हैं, लेकिन उन्हें भी इस बात की रत्ती भर जानकारी नहीं है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ है। हैरानी की बात तो यह है कि सचिव और प्रधान इस मामले को लेकर खुद परेशान हैं। जब वे उच्च अधिकारियों से इस बारे में जानकारी मांग रहे हैं, तो उन्हें कोई सटीक जवाब नहीं मिल पा रहा है। सचिवों और प्रधानों ने अनुमान लगाया है कि शायद एआई में डाटा फीड किए जाने के कारण तकनीकी खामियों की वजह से यह नाम कटे हैं।स्थानीय लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस पोर्टल को पहले ही बंद किया जा चुका है, उसे तुरंत चालू किया जाए।पीड़ित परिवारों की मांग है कि जो गरीब वास्तव में पात्र हैं और जिन्हें बिना किसी ठोस आधार के अपात्र घोषित कर दिया गया है, उनके नाम सूची में फिर से जोड़े जाएं। यह समस्या केवल एक पंचायत की नहीं, बल्कि जनपद की कई ग्राम पंचायतों में बनी हुई है, जिससे गरीबों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अब देखना यह है कि प्रशासन कब तक इस तानाशाही और तकनीकी गड़बड़ी का ठीकरा फोड़कर गरीबों के हक को बहाल करता है।

सीएम की समीक्षा बैठक से पहले 3152 करोड़ के 774 प्रस्ताव तैयार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर पीडब्ल्यूडी ने जिले के विकास का प्लान तैयार कर लिया है। सीएम की मंडलीय समीक्षा बैठक में रखने के लिए जिले की सभी नौ विधानसभाओं से 774 विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं, जिनकी अनुमानित लागत 3152.64 करोड़ रुपये है। इन प्रस्तावों में नई सड़कों के साथ मुख्य मार्गों के चौड़ीकरण, पुल व भवनों के निर्माण को शामिल किया गया है। शासन से हरी झंडी मिलते ही जिले की सूरत बदल जाएगी। लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड) ने जनप्रतिनिधियों की मांग पर हर क्षेत्र की जरूरत को ध्यान में रखते हुए कार्यों की सूची बनाई है। मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत अकेले 614 सड़कों के सुधार और निर्माण का प्रस्ताव है, जिस पर 1,152.73 करोड़ खर्च होंगे। जिले में विभिन्न नदियों और नालों पर 78 नए पुलों के निर्माण के लिए 1,192.67 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया गया है। पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता और अधिशासी अभियंता इन सभी फाइलों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं ताकि मुख्यमंत्री के सामने जिले की मजबूत पैरवी की जा सके। अधिकारियों के मुताबिक मुख्यमंत्री के समक्ष प्रत्येक विधानसभा की जरूरत और जनप्रतिनिधियों की मांग के अनुसार बजट का पूरा ब्योरा रखा जाएगा। सभाओं में बहेड़ी से सबसे ज्यादा प्रस्ताव- जिले की नौ विधानसभाओं से कुल 774 प्रस्ताव भेजे गए हैं, जिसमें बहेड़ी से 210, मीरगंज से 114, कैंट से सबसे कम 9 और शहर से 26 प्रस्ताव शामिल किए गए हैं। इसके अलावा बिथरी चैनपुर से 104, नवाबगंज से 103, भोजीपुरा से 77, आंवला से 55 और फरीदपुर विधानसभा से 70 प्रस्ताव पीडब्ल्यूडी ने अपनी सूची में शामिल किए हैं। इन प्रस्तावों में मुख्य जिला मार्गों के चौड़ीकरण के लिए 439 करोड़ रुपये और औद्योगिक व लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी बढ़ाने वाली सड़कों के लिए 113 करोड़ से अधिक का प्रावधान है। सड़कों की सुरक्षा (रोड सेफ्टी) के लिए भी 30 कार्यों के तहत 11.79 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार कर मुख्यमंत्री के समक्ष मंजूरी के लिए रखे जाएंगे। वहीं, बुधवार को गंगा दशहरा के अवकाश पर भी पीडब्ल्यूडी के दफ्तर पूरी तरह गुलजार रहे। अधीक्षण अभियंता, एक्सईएन, सहायक व अवर अभियंता कार्यालयों में डटे रहे।

नौ कोचिंग सील, 24 संचालकों को नोटिस, अस्पतालों और मॉल की भी होगी जांच

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। लखनऊ में हुए हादसे के बाद बरेली में शुरू हुई कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही। प्रशासनिक अफसरों के साथ बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) व आवास विकास परिषद के अधिकारियों ने शहर में अवैध और मानकों के विपरीत चल रहे नौ कोचिंग सेंटरों को सील कर दिया। दो दर्जन से ज्यादा कोचिंग सेंटर संचालकों को नोटिस जारी किए गए हैं।

नौ घंटे तक चली कार्रवाई से संचालकों में खलबली मची रही। संयुक्त टीम ने 40 से ज्यादा कोचिंग सेंटरों की जांच की। कई रिहायशी (आवासीय) भवनों में कोचिंग सेंटर संचालित होते मिले।

कई भवनों में छात्रों के आने-जाने के लिए बनी सीढ़ियों की चौड़ाई एक फीट से भी कम पाई गई। आपातकालीन स्थिति में इन रास्तों से छात्रों का सुरक्षित निकलना नामुमकिन है। व्यावसायिक गतिविधियों के लिए तय नियमों को ताक पर रखकर फायर सेफ्टी और पुख्ता निकास व्यवस्था के बिना ही 24 से ज्यादा कोचिंग सेंटरों का संचालन होता मिला। प्राधिकरण इन्हें नोटिस देने की तैयारी कर रहा है।

निजी अस्पताल में प्रसव के बाद प्रसूता की मौत, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। हरुनगला के पास निजी अस्पताल में प्रसव के बाद प्रसूता की मौत हो गई। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। मामले की शिकायत मुख्य चिकित्सा अधिकारी से की गई है। सीएमओ ने मामले की जांच के लिए कमेटी गठित कर दी है। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया परिवार का कहना-पीलीभीत के थाना बिलसंडा क्षेत्र के गांव टेड़ा श्रीराम निवासी सतीश वर्मा ने बताया कि उनकी पत्नी रूबी देवी को प्रसव पीड़ा होने पर बीते विगत दिवस दोपहर करीब एक बजे शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच के बाद डॉक्टरों ने उपचार शुरू किया और कुछ देर बाद महिला ने बच्चे को जन्म दिया।

लापरवाही के आरोप- परिजनों का आरोप है कि प्रसव के बाद महिला की हालत लगातार बिगड़ती रही, लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने समय पर विशेषज्ञ डॉक्टर को नहीं बुलाया। शिकायत के अनुसार रात में महिला को अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। परिजनों ने कई बार डॉक्टर बुलाने की मांग की, लेकिन ध्यान नहीं दिया गया। आरोप है कि कोई डॉक्टर मरीज को देखते ही नहीं आया। मरीज की मौत हो गई। परिजनों ने उपचार में लापरवाही का आरोप लगाया। वहां स्टाफ से नोंकझोंक होने लगी।

घटना के बाद अस्पताल में हंगामा होने लगा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि मामले की जांच के लिए कमेटी गठित कर दी गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

द्वितीय ए0सी0पी0 वेतन विसंगति दूर करने की मांग को लेकर सोपे ज्ञापनप्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच / उ0 प्र0 पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष धर्मपाल सिंह के निर्देश पर 16 साल सेवा करने के बाद भी द्वितीय ए0सी0पी0 व वेतन विसंगति दूर करवाने की मांग का ब्लाक अध्यक्ष राजेश बाबू,ब्लाक मंत्री परमात्मा स्वरूप वर्मा, ब्लाक कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार कश्यप, ब्लाक संगठन मंत्री वीरेंद्र बाबू,ब्लाक संम्प्रेक्षक हरवंश कुमार के द्वारा खंड विकास अधिकारी मरौरी के माध्यम से जिलाधिकारी महोदय पीलीभीत को दो सूत्रों की मांग का ज्ञापन दिया गया जिसमें प्रथम मांग- 1- पंचायत राज विभाग में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के माह नवम्बर 2025 में सेवा में 16 वर्ष पूर्ण हो चुके है परन्तु अभी तक द्वितीय ए0सी0पी0 का लाभ जो 16 वर्ष पूर्ण होने पर मिल जाना चहिए था उसका लाभ अभी तक नहीं मिला है। जबकि संघठन द्वारा कर्मचारियों की द्वितीय ए0सी0पी0 का लाभ दिये जाने के सम्बन्ध में जिला पंचायत राज अधिकारी, महोदय व मुख्य विकास अधिकारी महोदय, पीलीभीत से कई बार पत्राचार कर अनुरोध किया जा चुका है। द्वितीय ए0सी0पी0 का लाभ समय पर न मिलने के कारण हम कर्मचारियों का आर्थिक नुकसान का सामना करना पड रहा है। जिसके वजह से सफाई कर्मचारियों में बहुत रोष व्यक्त है। सफाई कर्मचारियों को जल्द से जल्द द्वितीय ए0सी0पी0 का लाभ दिलाने अनुरोध किया आया। 2- पंचायत राज विभाग में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति नवम्बर 2009 में हुई थी। प्रथम वेतन वृद्धि का लाभ नियमता जुलाई 2010 में मिलना चाहिये था। जबकि प्रथम वेतन वृद्धि का लाभ हम लोगो को जनवरी 2011 में दिया गया। जनपद पीलीभीत में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को प्रदेश के अन्य जनपदों से एक वेतन वृद्धि कम पाने के साथ-साथ 7वें वेतन आयोग के अर्न्तगत स्वीकृत पे-बैण्ड से कम वेतन निर्धारण किया गया है। जिसके कारण पीलीभीत में नियुक्त ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को प्रदेश के अन्य जनपदों से सबसे कम वेतन मिल रहा है जबकि कुछ अन्य जनपदों में नियुक्ति हम लोगो के साथ की ही है। संघठन आपसे अनुरोध करता है कि आप अपने स्तर से वेतन विसंगति को दूर करवाते हुये दोबारा फिक्सेशन कराकर करने की मांग की गई ज्ञापन देते समय उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के जिले के पदाधिकारी एवं विकासखंड मरौरी के समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे

तहसील परिसर बना अखाड़ा, मुड़िया भूमि विवाद पर प्रशासन की नींद गायब, किसानों का आर-पार का संग्राम

क्यूँ न लिखूँ सच / पीलीभीत। पूरनपुर तहसील परिसर इन दिनों किसी सियासी दफ्तर के बजाय किसानों के आक्रोश का केंद्र बना हुआ है।जेठापुर के पास स्थित मुड़िया गांव में भूमि विवाद को लेकर भारतीय किसान यूनियन भानू के बैनर तले किसानों ने जो मोर्चा खोला है, उसने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बीते 23 जून से शुरू हुआ यह अनिश्चितकालीन धरना अब एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है, जहां चिलचिलाती धूप और गर्मी की परवाह किए बिना किसान अपने हक की खातिर डटे हुए हैं। प्रदर्शन की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां केवल पुरुष ही नहीं, बल्कि महिलाएं, बुजुर्ग और मासूम बच्चे भी अपने भविष्य की सुरक्षा के लिए 24 घंटे पूरनपुर तहसील परिसर के नीचे धरने पर बैठे हैं।आंदोलनकारियों का आरोप है कि उप जिलाधिकारी पूरनपुर द्वारा बीते कई दिनों से केवल कोरे आश्वासन दिए जा रहे हैं। किसानों का साफ कहना है कि प्रशासन की फाइलें मेजों पर ही धूल फांक रही हैं और धरातल पर न्याय के नाम पर सिफर हासिल हुआ है। एसडीएम की उदासीनता से नाराज किसानों ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। धरना स्थल पर सोमवती, गीता देवी, रामा देवी, खुशहालों देवी, सुमन, खुशबू देवी, विद्या देवी, उर्मिला, रेशमा देवी और रामबेटी जैसी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। वहीं, महेंद्रपाल, अशोक कुमार, शिवकुमार, मदनलाल, धर्मेंद्र कुमार, राजेंद्र कुमार और अधीर कुमार जैसे पदाधिकारियों ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि प्रशासन का कोई भी खोखला वादा अब उन्हें डिगा नहीं सकता। किसानों का कहना है कि जब तक मुड़िया की विवादित जमीन पर उनका मालिकाना हक सुनिश्चित नहीं हो जाता और दोषी अधिकारियों के खिलाफ स्पष्ट कार्रवाई नहीं होती, तब तक यह धरना तहसील परिसर से हटने वाला नहीं है। पूरनपुर का यह धरना अब उस मोड़ पर है जहां से पीछे हटने का मतलब अपने हक से समझौता करना है, जिसके लिए ये किसान कतई तैयार नहीं दिख रहे।

सड़क किनारे मौत का ट्रांसफार्मर!

बरेली के बीसलपुर रोड पर हादसे को दावत दे रहा विद्युत विभाग का लापरवाह सिस्टम

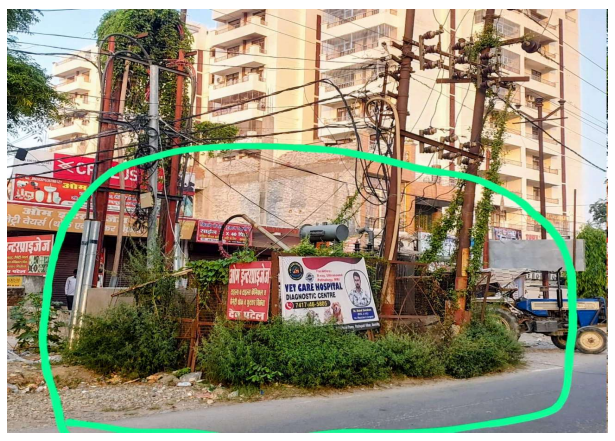

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर के मुख्य मार्ग पीलीभीत बाईपास रोड के पास बीसलपुर रोड पर स्थित आशीष रॉयल टॉवर मल्टीस्टोरी प्रोजेक्ट के नजदीक सड़क किनारे लगा बिजली का ट्रांसफार्मर लोगों के लिए खतरे का सबब बना हुआ है।

स्थानीय लोगों के अनुसार यह ट्रांसफार्मर कई वर्षों से इसी स्थान पर चालू हालत में लगा हुआ है, जिसके आसपास बड़े-बड़े पौधे और झाड़ियां उग आई हैं। आवादी क्षेत्र होने के कारण यहां हर समय लोगों की आवाजाही रहती है, ऐसे में किसी भी बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। बताया जा रहा है कि कुछ दिनों पहले स्थानीय लोगों ने ट्रांसफार्मर के पास कबूतर-बिरजू के जोड़े को भी देखा, जिससे क्षेत्र में चर्चा फैल गई। वहीं आए दिन ट्रांसफार्मर में आग लगने की घटनाओं से लोगों में डर का माहौल बना रहता है। आग लगने पर सड़क पर यातायात भी प्रभावित हो जाता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि विद्युत विभाग को ट्रांसफार्मर को सड़क मार्ग से हटाने के लिए कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

निर्जला एकादशी पर सीता रसोई का विशाल शरबत भंडारा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर सीता रसोई द्वारा विशाल शरबत भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक चले इस सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने प्रात: 9ः15 बजे किया।

मीडिया प्रभारी हर्ष अग्रवाल ने बताया कि भीड़ को नियंत्रित रखने के लिए पांच काउंटर बनाए गए, जिससे श्रद्धालुओं को सुचारू रूप से शरबत वितरण किया गया। भंडारे में करीब 100 किलो दूध, 200 किलो चीनी, 7000 पैकेट बिस्किट और 200 लीटर शरबत का वितरण किया गया, जिसका 15 हजार से अधिक लोगों ने लाभ उठाया। सीता रसोई के करीब 60 सेवादारों ने लगातार सेवा कार्य किया। विशाल पंडाल में बेहतर कूलिंग व्यवस्था की गई थी। सेवादारों ने बताया कि सीता रसोई पिछले 6 वर्षों से लगातार निर्जला एकादशी पर यह सेवा करती आ रही है और वर्तमान में पांच प्रकार की जनसेवाएं संचालित कर रही है। कार्यक्रम में प्रभात अग्रवाल, रमेश चंद्र अग्रवाल, विजय बाठला, पंकज अग्रवाल, प्रतिभा अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, अनुराग मेहरोत्रा, अमित गुप्ता सहित बड़ी संख्या में सेवादार मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

थाना बिसौली पुलिस नें जमीनी विवाद के लेकर मारपीट करने वाले 9 अभियुक्तगण को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / एसएसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे गिरफ्तारी अभियान के अन्तर्गत आज थाना बिसौली पुलिस द्वारा ग्राम परसेरा में दो पक्षों के मध्य जमीनी विवाद को लेकर मारपीट होने के संबंध में थाना बिसौली पर मु0अ0सं0 261/2026 धारा 191(2)/191(3)/190/115(2)/352/351(3)/109(1)/121(1) बीएनएस व 7 सीएल एक्ट से सम्बन्धित घटना कारित करने वाले 09 नफर नामित अभियुक्तगण 1.वीरेन्द्र पुत्र स्व0 ब्रजपाल 2.विचारदेव पुत्र स्व0 लटूरी 3. अनिल पुत्र रामवीरेश 4. नेजपाल पुत्र थान सिंह निवासीगण ग्राम परसेरा थाना बिसौली जिला बदायूँ 5.अखिलेश पुत्र हरवीर 6. अमरपाल पुत्र श्रीपाल 7.प्रवेश पुत्र कस्तूरी 8.राजीव पुत्र सुरेशपाल निवासीगण ग्राम परसेरा थाना बिसौली जिला बदायूँ 9 करुपाल पुत्र नेजपाल निवासी ग्रामि परसेरा थाना बिसौली जिला बदायूं को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार शुदा अभियुक्तगण के पास से घटना में प्रयोग किये गये 01 अदद भाला नुकीला, 02 लकड़ी के डण्डे,01 अदद स्टील का पाइप,01 अदद भाला चपटेदार, 01 अदद डन्डा, एक अदद फरसा व एक सरिया तथा अभियुक्त करुपाल की निशादेही पर घटना में प्रयुक्त 01 अदद नाजायज तमंचा 315 बोर मय एक खोखा कारतूस 315 बोर नाजायज बरामद हुये । जिसके आधार पर अभियोग उपरोक्त में करुपाल के विरुद्ध धारा 3/25(1-ड्ढ)ड्ड/27 आर्मस एक्ट की बढोत्तरी कर अभियुक्तगण को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है ।

थाना सिविल लाइंस पुलिस नें जुआ खेलने वाले चार अभियुक्तगण को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूं में एसएसपी अंकिता शर्मा क े निर्देशानुसार जनपद में अवैध जुआ खेलने वालों के विरुद्ध चलाये जा रहे कार्यवाही अभियान के अन्तर्गत आज थाना सिविल लाइंस पुलिस द्वारा 04 अभियुक्तगण 01.इकरार पुत्र रियासत नि0 आरिफपुर नवादा थाना सिविल लाइन जनपद 02. मौ0 मिया पुत्र नसीम मियाँ नि0 आरिफपुर नवादा थाना सिविल लाइन जनपद बदायूं 03.सब्लू पुत्र सद्दीक निवासी आरिफपुर नवादा थाना सिविल लाइन बदायूं 04. इबराहिम पुत्र वाजिद अली नि0 आरिफपुर नवादा थाना सिविल लाइन जनपद बदायूं को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया। जिसके सम्बन्ध में थाना सिविल लाइंस पर मु0अ0सं0 233/2026 धारा 13 जुआ अधिनियम पंजीकृत कर अभियुक्तगण को जिला कारागार भेजा गया

बरेली प्रशासन का अवैध खनन माफियाओं पर बड़ा एक्शन , 5 वाहन सीज, 10 लाख से अधिक का जुर्माना प्रस्तावित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / मध्यरात्रि छापेमारी में बहेड़ी क्षेत्र में पकड़े गए 2 जेसीबी और 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली, जंगल तक पीछा कर टीम ने दबोचे वाहन जनपद बरेली में अवैध खनन एवं अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ प्रशासन का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में दिनांक 24 जून की मध्यरात्रि को अवैध खनन की शिकायत पर तहसील बहेड़ी क्षेत्र के ग्राम उनई में प्रशासनिक टीम ने औचक निरीक्षण करते हुए बड़ी कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान मौके पर 02 जेसीबी मशीन और 03 ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध खनन एवं खनिज परिवहन में संलिप्त मिलीं। टीम को देखते ही वाहन चालक और संचालक वाहनों को लेकर जंगल की ओर भागने लगे, लेकिन टीम ने करीब एक किलोमीटर तक पीछा कर सभी वाहनों को पकड़ लिया। प्रशासन ने सभी वाहनों को कब्जे में लेकर थाना बहेड़ी की अभिरक्षा में सुपुर्द कर दिया है। वहीं, नियमानुसार अवैध खनन एवं परिवहन की कार्रवाई करते हुए अर्थदंड लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इससे पहले भी तहसील सदर क्षेत्र के थाना सुभाषनगर में अवैध खनन में संलिप्त एक जेसीबी को सीज किया गया था। दोनों मामलों में करीब 10 लाख रुपये से अधिक की वसूली प्रस्तावित है। जिलाधिकारी बरेली के निर्देशों के क्रम में प्रशासन ने साफ कर दिया है कि जनपद में अवैध खनन और अवैध खनिज परिवहन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

रीवा में पल्स पोलियो महाअभियान का आगाज़, 28 से 30 जून तक हर बच्चे तक पहुंचेगी जिंदगी की दो बूंद

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रदीप कुमार तिवारी कार्यकारी संपादक/ पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए रीवा जिले में 28, 29 और 30 जून तक विशेष पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाने का लक्ष्य तय किया है। प्रशासन ने अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अभिनव त्रिपाठी ने बताया कि भारत ने लगभग 14 वर्ष पहले पोलियो पर विजय हासिल कर ली थी, लेकिन दुनिया के कुछ देशों में अभी भी पोलियो के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में भारत को पोलियो मुक्त बनाए रखने के लिए हर बच्चे तक पोलियो की वैक्सीन पहुंचाना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि 28 जून को %पोलियो रविवार% के अवसर पर रीवा और मऊगंज जिले में लगभग 2500 पोलियो बूथ स्थापित किए जाएंगे, जहां 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाई जाएगी। वहीं 29 और 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक देंगी। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाजार और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भी मोबाइल टीमें तैनात रहेंगी। रीवा कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला कार्यबल की बैठक आयोजित कर सभी विभागों को अभियान में सक्रिय सहयोग के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यत्नेश त्रिपाठी ने बताया कि वैक्सीन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है, सभी ब्लॉकों में वैक्सीन और आवश्यक सामग्री पहुंचाई जा रही है तथा जिला कंट्रोल रूम भी स्थापित कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे 0 से 5 वर्ष तक के अपने बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं। याद रखें... हर बच्चे की सुरक्षा, पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

राष्ट्रीय पटल पर चमका करैरा का पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, देश के शीर्ष 10 विद्यालयों में शामिल

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, 25 जून। शिवपुरी जिले के करैरा स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय (आईटीबीपी) ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए जिले का गौरव बढ़ाया है। विद्यालय का चयन एसएचवीआर-2025 के अंतर्गत देशभर के सर्वश्रेष्ठ केंद्रीय विद्यालयों में किया गया है। विशेष उपलब्धि यह है कि पूरे देश से केवल 10 केंद्रीय विद्यालयों को इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है, जिनमें करैरा का पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय भी शामिल है। विद्यालय को यह सम्मान शैक्षणिक गुणवत्ता, स्वच्छता, हरित परिसर के विकास तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि ने न केवल करैरा बल्कि पूरे शिवपुरी जिले को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक कुमार सारस्वत ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सम्मान विद्यालय परिवार की सामूहिक मेहनत, अनुशासन, नवाचार और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि विद्यालय भविष्य में भी शिक्षा और गुणवत्ता के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा। खुशी का माहौल है और शिक्षा जगत में इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। यह सम्मान जिले के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में संतुष्टि मानकानुरूप न होने पर 17 अधिकारियों के वेतन आहरण पर रोक डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ जिलाधिकारी अवनीश राय ने शासन स्तर पर निर्धारित 90 प्रतिशत आईजीआरएस संतुष्टि मानक प्राप्त न करने वाले 17 अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए उनके वेतन आहरण पर तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक रोक लगाने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी निस्तारण की शासन स्तर पर नियमित समीक्षा की जाती है। शासन द्वारा शिकायतकर्ता संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए न्यूनतम 90 प्रतिशत संतुष्टि मानक निर्धारित किया गया है। इसके बावजूद कई अधिकारियों द्वारा बार-बार निर्देश दिए जाने के बाद भी अपेक्षित सुधार नहीं किया गया।उन्होंने बताया कि समीक्षा के दौरान अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत इस्लामनगर, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बदायूँ/ नगर पंचायत कछला, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बिल्सी, खण्ड विकास अधिकारी कादरचौक, खण्ड विकास अधिकारी दातागंज/समरेर, खण्ड विकास अधिकारी आसफपुर, खण्ड विकास अधिकारी अम्बियापुर, खण्ड विकास अधिकारी इस्लामनगर, प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक सीएचसी/पीएचसी इस्लामनगर, जिला युवा कल्याण अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी बिसौली, सब रजिस्ट्रार दातागंज, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला पुरुष चिकित्सालय, अधिशासी अभियंता नलकूप खंड द्वितीय सिंचाई संसाधन तथा अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड प्रथम/तृतीय सहित कुल 17 अधिकारियों का आईजीआरएस संतुष्टि स्तर शासन द्वारा निर्धारित मानक से कम पाया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का निस्तारण मात्र औपचारिकता नहीं, बल्कि शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। निर्धारित मानकों की लगातार अनदेखी प्रशासनिक दायित्वों के प्रति उदासीनता को प्रदर्शित करती है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।इन परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए संबंधित 17 अधिकारियों के वेतन आहरण पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप आईजीआरएस संतुष्टि प्रतिशत में तत्काल सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

अवैध खनन पर जिला प्रशासन का बड़ा प्रहार, दो पोकलैंड मशीनें सीज, पट्टाधारक समेत अन्य संलिप्त व्यक्तियों पर एफआईआर

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा/ पट्टा सीमा से बाहर खनन करते पकड़े गए संचालक, सरफराज खान उर्फ सोले खां व जावेद हबीब भी मौके पर गतिविधियों में संलिप्त पाए गए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देशन में जनपद में अवैध खनन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय टास्क फोर्स टीम ने तहसील कालपी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए खनन नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त शिकंजा कसा है। टीम द्वारा भेड़ी-04 स्थित रवि प्रताप कॉन्ट्रैक्टर के खनन पट्टे पर औचक निरीक्षण किया गया, जहां जांच के दौरान निर्धारित पट्टा क्षेत्र की सीमा से बाहर अवैध रूप से खनन कार्य संचालित होता पाया गया।निरीक्षण के दौरान मौके पर दो पोकलैंड मशीनें अवैध खनन कार्य में संलिप्त मिलीं, जिन्हें तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया गया। जांच में लुकेशन पर यह भी पाया गया कि पट्टाधारक के साथ सरफराज खान उर्फ सोले खां एवं जावेद हबीब भी उक्त अवैध खनन गतिविधियों में संलिप्त थे तथा मौके पर उनकी भूमिका सामने आई।

जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध साक्ष्यों एवं जांच रिपोर्ट के आधार पर पट्टाधारक सहित संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। जिला टास्क फोर्स ने मौके पर खनन क्षेत्र का सीमांकन सत्यापित किया, आवश्यक अभिलेखों की जांच की तथा साक्ष्य संकलित किए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि खनिज संपदा के अवैध दोहन, पट्टा शर्तों के उल्लंघन तथा राजस्व को क्षति पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। जिला टास्क फोर्स ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध खनन के विरुद्ध अभियान पूरी सफलता के साथ जारी रहेगा । संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण, ड्रोन एवं अन्य तकनीकी माध्यमों से निगरानी सुनिश्चित की जा रही है । जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध तत्काल प्रभावी कार्रवाई कर प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा तथा शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी एवं वैध खनन व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

महुली में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव धूमधाम से संपन्न, मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर / संकुल केंद्र महुली के अंतर्गत संचालित विद्यालयों के संयुक्त तत्वावधान में नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए। आयोजन के दौरान सत्र 2025-26 की वार्षिक परीक्षा में अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर विद्यालय में पहली बार प्रवेश लेने वाले नन्हे-मुन्ने बच्चों का तिलक लगाकर, पुष्पमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया गया। पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम में संकुल के अंतर्गत आने वाले हाई स्कूल महुली, पीएम श्री विद्यालय महुली, माध्यमिक शाला महुली, माध्यमिक शाला कोल्हुआ, प्राथमिक शाला कछवारी, प्राथमिक शाला पहाड़पारा तथा प्राथमिक शाला बोकरटोला के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक शामिल हुए।

शासन की मंशा के अनुरूप सभी विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक सत्र की निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों एवं कॉपियों का वितरण भी किया गया। नई किताबें प्राप्त कर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम में अभिभावकों से बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने तथा शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने की अपील की गई।

आयोजन को सफल बनाने में संकुल के सभी शिक्षकों, प्रधान पाठकों एवं शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

उपस्थित प्रमुख अतिथि एवं पदाधिकारी- मुख्य अतिथि मदन जायसवाल, विशिष्ट अतिथि बैकुंठ जायसवाल, संकुल प्राचार्य रामशरण प्रजापति, संकुल समन्वयक संजय जायसवाल सहित संकुल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

एसडीएम को लिखित शिकायत कर कार्यवाही की मांग की मैनेजर ने

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। कोंच में नकली कोल्ड ड्रिंक की बड़ी खबर पर कोंच में हड़कंप मच गया इसी को लेकर आज बेवरेज कम्पनी गुड़गांव के मैनेजर ए एस एम राकेश मिश्रा ने एक पत्र एसडीएम कोंच हेमंत पटेल को दिया जिसने उन्होंने अवगत कराया है कि प्राथी बेनरेज कंपनी गुड़गांव दिल्ली एनसीआर का मैनेजर है आज दिनांक 24 जून को सुबह दस बजे करीबन कंजड़ बाबा कोंच के पास एक ट्रक जिसका नम्बर यूपी 82 टी 5354 है जिसमें कोल्ड ड्रिंक था जिसकी जानकारी करने पर पता चला कि उपरोक्त गाड़ी में लदा माल नकली है एवं मेरी कंपनी वरुण बेवरेज कम्पनी का नहीं है उपरोक्त माल राम किशुन अग्रवाल पुत्र चतुर्भुज अग्रवाल स्थित गोदाम कंजड़ बाबा के पास उतारा जा रहा था जिसकी सूचना मुझे बाला जी ट्रेडर्स पेप्सी एजेंसी कोंच के प्रो आशुतोष व्यास के द्वारा मुझे दी गई जिसकी सूचना 112 नम्बर पुलिस को दी जिन्होंने उपरोक्त गाड़ी को अपने हिरासत में ले लिया है उपरोक्त माल का कूट रचित दस्तावेज तैयार कराकर बिक्री हेतु नकली माल बनाकर बेचने हेतु भेजा गया है उन्होंने इस मामले में समुचित कड़ी कार्यवाही की मांग की है ।

भाई के लिए दे दी जान: गंगा में डूब रहे किशोर को बचाने के लिए कूद पड़ीं बहनें, नाबालिग सलोनी और कोमल की मौत

बहनों ने साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए शिवनेश को सुरक्षित बाहर निकाल दिया, लेकिन इस दौरान वे स्वयं गहरे पानी में फंस गईं और डूबने लगीं। आसपास स्नान कर रहे सनी और जीतपाल ने दोनों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक वे पानी में समा चुकी थीं।यूपी के कासगंज में गंजडुंडवारा के थाना सुन्नगढ़ी क्षेत्र के गांव मुजफ्फरनगर में गंगा स्नान के दौरान भाई को बचाने के प्रयास में दो सगी बहनों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक बहनों की पहचान 16 वर्षीय सलोनी और 14 वर्षीय कोमल के रूप में हुई है। गंगा स्नान करने गए थे तीनों बच्चे- जानकारी के अनुसार गांव निवासी इंद्रपाल कश्यप के तीन बच्चे सलोनी, कोमल और 12 वर्षीय शिवनेश गंगा स्नान करने गए थे। स्नान के दौरान शिवनेश अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। भाई को संकट में देखकर दोनों बहनें बिना अपनी परवाह किए उसे बचाने के लिए पानी में कूद पड़ीं।भाई को तो बचा लिया पर खुद न बच सकीं- बहनों ने साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए शिवनेश को सुरक्षित बाहर निकाल दिया, लेकिन इस दौरान वे स्वयं गहरे पानी में फंस गईं और डूबने लगीं। आसपास स्नान कर रहे सनी और जीतपाल ने दोनों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक वे पानी में समा चुकी थीं।कोमल मिली पर हो चुकी थी देर- घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने मौके की ओर दौड़ लगा दी। ग्रामीणों ने तत्काल तलाश अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद कोमल को पानी से बाहर निकाला गया और उपचार के लिए सीएचसी सहावर भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सलोनी का भी शव मिला- वहीं बड़ी बहन सलोनी की तलाश लगातार जारी रही। सूचना पर थाना प्रभारी पवन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों, प्रशासन और राहत दल की मदद से करीब साढ़े दस बजे सलोनी का शव भी गंगा से बरामद कर लिया गया। बाद में एसडीएम, मजिस्ट्रेट और एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की।पिता हैं शिक्षामित्र, परिवार पर टूटा पहाड़- मृतक बहनों के पिता इंद्रपाल कश्यप गांव के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षामित्र हैं। बताया जाता है कि सलोनी जीएनएम की तैयारी कर रही थी, जबकि कोमल ने हाल ही में हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। दो बेटियों की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। भाई की जान बचाने के लिए अपनी जान न्योछावर करने वाली इन बहनों की बहादुरी और त्याग की चर्चा पूरे क्षेत्र में हो रही है। जिसने भी घटना के बारे में सुना, उसकी आंखें नम हो गईं।

4 माह से बंद सोलर डुअल पंप से स्कूल, आंगनबाड़ी और ग्रामीणों पर पेयजल संकट

जनदर्शन में शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, बच्चों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा

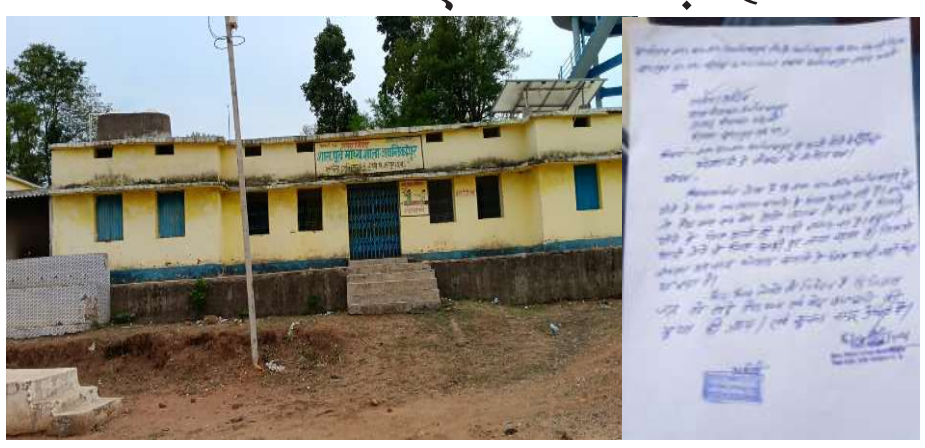

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर / बिहारपुर/सूरजपुर। सूरजपुर जिले के चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत अवंतिकापुर के स्कूल परिसर में स्थापित सोलर डुअल पंप पिछले लगभग चार माह से बंद पड़ा है।

पंप बंद होने से विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, पंचायत कार्यालय, उचित मूल्य दुकान तथा गौटियापारा के 500 से अधिक ग्रामीण गंभीर पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ यह समस्या और भी गंभीर हो गई है।

विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र संचालित होने के बाद प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे यहां पहुंच रहे हैं, लेकिन परिसर में पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं होने से उन्हें पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। शिक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी पेयजल की व्यवस्था करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इससे बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है।

ग्रामीणों ने बताया कि यही सोलर डुअल पंप गौटियापारा के 500 से अधिक ग्रामीणों के लिए पेयजल का मुख्य स्रोत था। पंचायत कार्यालय आने वाले लोग तथा उचित मूल्य दुकान के हितग्राही भी इसी पंप के पानी का उपयोग करते थे। पंप बंद होने के कारण लोगों को दूर-दराज के जलस्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस गंभीर समस्या की शिकायत कलेक्टर जनदर्शन में भी की जा चुकी है, लेकिन अब तक संबंधित विभाग द्वारा पंप की मरम्मत या वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई है। इससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि स्कूल परिसर में बंद पड़े सोलर डुअल पंप को तत्काल चालू कराया जाए तथा जब तक इसकी मरम्मत नहीं होती, तब तक स्कूल, आंगनबाड़ी और ग्रामीणों के लिए वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि बच्चों और आमजन को राहत मिल सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगे।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ सुरक्षा, सील एवं सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था का किया गहन परीक्षण, निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता रही सुनिश्चित भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने जनपद मुख्यालय स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस (प्रथम एवं द्वितीय) का निर्धारित त्रैमासिक स्थलीय निरीक्षण किया। यह निरीक्षण विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया गया। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउसों को विधिवत खोला गया तथा ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, सील, अभिलेखों एवं लॉग-बुक का परीक्षण किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम लॉग-बुक का अवलोकन कर आवश्यक टिप्पणियां भी अंकित कीं। निरीक्षण के उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी ने सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी कक्ष में स्थापित सीसीटीवी मॉनिटरिंग सिस्टम का भी अवलोकन किया। इस दौरान उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को वेयरहाउस की 24 घंटे संचालित निगरानी व्यवस्था से अवगत कराया गया तथा सीसीटीवी फुटेज का प्रदर्शन कर सुरक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए ईवीएम एवं वीवीपैट की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप समय-समय पर वेयरहाउस का निरीक्षण तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का परीक्षण कराया जाता है, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति सभी राजनीतिक दलों एवं आमजन का विश्वास और अधिक मजबूत बना रहे।वसर पर अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजीव राज, उप जिलाधिकारी उरई एवं प्रभारी ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस ज्योति सिंह, परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण एवं प्रभारी अधिकारी ईवीएम-वीवीपैट अखिलेश तिवारी, ईवीएम सहायक तलहा मजहर सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों में समाजवादी पार्टी से राजीव शर्मा एवं जमाल उद्दीन, बहुजन समाज पार्टी से जिला अध्यक्ष बृजेश जाटव एवं जिला सचिव भगवती शरण पांचाल, भारतीय जनता पार्टी से प्रभारी निर्वाचन शांति स्वरूप महेश्वरी, अपना दल (एस) से जिला अध्यक्ष अनिल कुदारी तथा सीपीआई (एम) से जिला सचिव विनोद कुमार नगरिया सहित अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पहले घर से निकला युवक लापता हुआ

कोतवाली पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

क्यूँ न लिखूँ सच / कोंच(जालौन)। अपने गांव से उरई जा रहे युवक के लापता हो जाने से परिवार परेशान है लापता हुए युवक के पिता ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज किये जाने की गुहार लगाई है मिली जानकारी में कोंच

कोतवाली के ग्राम मनोहरी निवासी राजमिस्त्री सरमन लाल कुशवाहा ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर अवगत कराया है कि उस का पुत्र रामकुमार बीती 22 जून की सुबह 7 बजे उरई जाने की बात कह कर अपने घर से निकला था। 23 जून की दोपहर 12 बजे तक उसका मोबाइल नंबर चालू रहा लेकिन इसके बाद से उसका मोबाइल फोन स्विच ऑफ बता रहा है। काफी परेशान सरमन ने बताया कि किसी अनहोनी के डर से उसने पुत्र की सभी संभावित स्थानों से लेकर नाते रिश्तेदारी में खोज बीन की लेकिन तीन दिन हो जाने के बाद भी मेरे पुत्र का कहीं कोई पता नहीं चल पा रहा है। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर लापता रामकुमार की तलाश में जानकारी करने में जुट गई है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

मूंगफली की उन्नत खेती से बढ़ेगी किसानों की आय, कृषि विज्ञान केंद्र में प्रशिक्षण एवं संगोष्ठी आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कृषि विज्ञान केंद्र, शिवपुरी में खरीफ 2026 कार्यक्रम के अंतर्गत क्लस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (तिलहन) योजना के तहत मूंगफली फसल की उन्नत खेती पर आधारित प्रशिक्षण सह कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम केंद्र के प्रमुख डॉ. पुनीत कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसमें जिले के खनियाधाना, पिछोर एवं करैरा विकासखंड के लगभग 80 कृषकों एवं कृषक महिलाओं ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को मूंगफली की उन्नत खेती, उच्च उत्पादन वाली किस्मों, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा आधुनिक कृषि तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। क्लस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (तिलहन) परियोजना के प्रभारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक (उद्यानिकी) डॉ. प्रशांत कुमार गुप्ता ने परियोजना के उद्देश्य, क्रियान्वयन तथा उच्च उत्पादक किस्म के -1812 (कादरी लेपाक्षी) के लाभों से किसानों को अवगत कराया।

वरिष्ठ वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान) डॉ. एम.के. भार्गव ने मूंगफली उत्पादन में आने वाली प्रमुख समस्याओं और उनके वैज्ञानिक समाधान बताए। वहीं वैज्ञानिक (पादप प्रजनन) डॉ. पुष्पेंद्र सिंह ने खेत की तैयारी, उन्नत किस्मों, बीज दर, रोग एवं कीट प्रबंधन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉ. सुरुचि सोनी ने मूंगफली से तैयार होने वाले विभिन्न उत्पादों की निर्माण विधि की जानकारी दी, जबकि तकनीकी अधिकारी डॉ. नीरज कुशवाहा ने तिलहनी फसलों में बीज उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञों ने किसानों को उन्नत प्रजातियों के बीज एवं आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। परियोजना प्रभारी ने बताया कि इस योजना के माध्यम से जिले में तिलहनी फसलों की उन्नत किस्मों का विस्तार होगा तथा क्लस्टर प्रदर्शनों के जरिए नई तकनीकों का दूरस्थ क्षेत्रों तक प्रभावी प्रचार-प्रसार किया जा सकेगा।

No commitment hassles, no tension! Understand the new relationship trend, "Wildflowering."

This trend is inspired by wildflowers, which grow without any care or planning. Every day, we hear about a relationship or dating trend. Now, a new trend is taking off, called "Wildflowering."

While the name may be a bit strange because of its translation, its meaning is somehow connected to it. In fact, wildflowering has become a new way of romance these days. Let's find out what it is. What is wildflowering? This trend is inspired by wildflowers, which grow without any care or planning. Similarly, wildflowering is a relationship in which two people live together without any future plans. It gives a relationship enough time to grow naturally. What are the benefits of a wildflowering relationship? Wildflowering gives two people the freedom to enjoy their connection, without worrying about the future of the relationship. In other words, wildflowering avoids labeling relationships as long-term or exclusive immediately. In this type of relationship, couples have low expectations and focus on enjoying the present. Why is the wildflowering trend growing? The biggest reason for this trend is people's fatigue with dating. A recent study related to this claims that young people, especially Gen Z, are seeking to escape the stress of dating. In this way, wildflowering helps them avoid the pressure of dating and provides a relationship that is more than just friendship. Wildflowering provides mental peace and the opportunity to start a relationship with a good friendship. Disadvantages of wildflowering relationships: Wildflowering is not good for those who are emotional and take things too deeply. Another disadvantage is that it can lead to multiple relationships, as it focuses more on independence than commitment. This can create imbalance in the relationship if one person is unaware of this and the other is pursuing a wildflowering relationship.

Rajasthan's unique city of 100 islands, which transforms into a paradise during the monsoon season.

Do you know about a city in Rajasthan that has not just 10-20 islands, but 100? Let us tell you... Whenever the name Rajasthan is mentioned, the image of a desert inevitably comes to mind. In such a situation, people cannot even imagine that there could be hill stations or islands here. People are now familiar with the hill station Mount Abu, but there is one place in this state that very few people know about: Banswara, the city of 100 islands - called Banswara has not just 10-20 Rajasthan, Banswara is known for its the story of this city of 100 islands. that this city has 100 islands as well as Located on the southern tip of bordering Gujarat and Madhya natural beauty. It should be noted "Cherrapunji" of Rajasthan. 100 waterfalls. This is why this city, kilometers from Udaipur, the city of Pradesh, is also known as the backwaters of this Mahi River are home Banswara is located about 165 large and small. The beauty of this city lakes, near the Mahi River. The season. Places to Visit in Banswara - If to approximately 100 islands, both monsoon season, Banswara can be a is truly remarkable during the rainy explore the must-see places in you're planning a trip during the Located 34 kilometers from Banswara, perfect off-beat destination. Let's Scottish vibe. This village is located near Banswara: Chacha Kota Village - story claims that it was named after an Chacha Kota Village can offer a called Lodhi Kashi, is known as Choti the Mahi Dam. A popular folklore and a half Shivalingas here, which hold uncle. Lodhi Kashi - This place, center of faith with the grandeur of the Kashi in Rajasthan. There are twelve Situated at a distance of about 26 religious significance. This place is a kilometers from Banswara, Singhpura temple. Singhpura Waterfall - Waterfall is one of the center of attraction of this city. This waterfall falls from a height of about 100 meters. If you want to spend time amidst nature, then head to this place. Tripura Sundari Temple - This is an ancient temple where the Shaktipeeth of Tripura Sundari Mata is established. Tripura Sundari is also known as Matabari. Let us tell you that this temple is one of the 51 Shaktipeeths.

Troubled by stubborn bathroom grime? These simple lemon hacks will instantly remove water stains and odors.

A few simple lemon hacks can prove to be very effective in removing stubborn bathroom stains and odors. We often clean our entire house, but don't pay as much attention to the cleanliness and smell of the bathroom. A clean and fragrant bathroom brings positive vibes to your home. Lemon is a natural ingredient that not only helps remove dirt and stains, but also provides a refreshing scent. Let's explore some easy and effective ways to use lemon to make your bathroom sparkle and smell fresh. Clean the bathroom with lemon - Shine tiles and floors - The citric acid in lemon easily removes stains from tiles and floors. Mix a little baking soda with lemon juice and rub it on the tiles. This will remove stubborn stains and leave them shining like new. Clean the sink and washbasin - Soap and water stains often accumulate on the washbasin. Clean them by rubbing them with lemon juice. Not only will stains be removed, but a fresh lemon scent will also emanate. Toilet Seat Cleaning - Use lemon juice and salt to remove stains and bacteria from the toilet seat. Scrub the seat with this combination and rinse with water after a while. This will kill germs and eliminate odors. Bathroom Odor Elimination - Place a lemon slice in a corner of the bathroom. This will act as a natural freshener and instantly remove odors. Shower Head Cleaning - Shower heads often accumulate calcium and dirt, reducing water flow. Soak the shower head in water with lemon juice, leave it for a while, and then rinse. This will remove blockages and allow water to drain easily. Glass Shine - Water spots can easily form on bathroom mirrors and glass. Wipe them with a mixture of lemon juice and water. This will leave the mirrors and glass sparkling clean and shiny. Drain Cleaning - If the bathroom drain is clogged or smelling, pour lemon juice and baking soda into it. This will not only unclog the clog but also eliminate the odor emanating from the drain. Use as a handwash: If bathroom odor lingers on your hands while cleaning, rub lemon juice on your hands. This will instantly eliminate the odor and soften your hands. Cleaning the bathroom is as important as cleaning the rest of the house. Lemon's natural acidic properties not only remove stains and bacteria, but also act as a natural freshener.

Sonam Khan was denied the song "Oye Oye" due to an affair with the director, saying, "His girlfriend..."

Actress Sonam Khan has broken her silence on a 37-year-old rumor about the superhit song "Oye Oye" from "Tridev." She clarified that she was denied the song due to her affair with director Rajiv Rai. Sonam Khan appeared in Rajiv Rai's 1989 action thriller "Tridev." The film's superhit song "Oye Oye" made the actress an overnight sensation. The song was widely played and loved by the public. She has now broken her silence after years of addressing the long-standing rumor about her receiving the iconic song. The actress recently clarified on Instagram that she was not offered the song because she was romantically involved with the film's director, Rajiv Rai (who later became her husband). Sonam, who appeared in the song alongside Naseeruddin Shah, said that she and Rajiv were not dating when the film was released. In fact, she said they when 'Tridev' was being made or relationships at the time. Sonam Kapoor were both in different a clip of the song 'Oye Oye' on Instagram, Sonam benefited from an affair - Sharing surrounding her casting in the song. She wrote, directly addressed the speculation director of 'Tridev'." The actress dismissed "I did not have an affair with the relationship with Rajiv Rai gave her an rumours that her alleged female leads, Madhuri Dixit and Sangeeta Bijlani, advantage over the other two the time. Sonam further said, "The twist in the who were already more famous at girlfriend on the sets. My boyfriend was also story was that Rajiv was with his the sets. We were both already in a relationship. present a little distance away from favour or you can say it fell into my lap. Rajiv This song came to me without any film - Sonam also told that initially Rajiv Rai did Rai did not want to cast her in the actress said that she had almost finalized another not want to cast her in 'Tridev'. The not trust Sonam after seeing footage from Yash actress for the role because she did Chopra's 1988 film "Vijay," which was her debut film. Sonam was only 19 when she married Rajiv Rai in 1991. The filmmaker later directed her in the 1992 action thriller "Vishwatma," in which she was again cast opposite Naseeruddin Shah after the success of "Tridev."

Alka Yagnik and Pankaj Udhas' brother's cult song, 'Pyar Ka Mausam', is a 27-year-old song that brings back memories of 'Pyar Ka Mausam'.

In the 90s, Pankaj Udhas's brother and Alka Yagnik sang a song that remains a cult song even today. Hindi cinema has seen many stars who achieved fame and recognition, but have been forgotten over time. Some stars won hearts as heroes on screen, while others captivated audiences with their singing. One such singer, whose brother's voice deeply moved audiences, was also a popular voice for decades, and one of his songs became so cult that it continues to be listened to even today. Which is that song? While this legendary singer's many hits, there's one song that has truly captured the hearts of lovers: "Mausam." Yes, the song "Mausam Ki Tarah Tum Bhi Badal" from the 1999 film "Jaanwar" was the one that sparked a new wave of love in people's hearts. This song is still frequently seen going viral on social media. Akshay Kumar and Karisma Kapoor appeared in the song. Akshay and Karisma Kapoor's chemistry was well-received, and it's become one of those cult songs often heard in truck stops. Manhar Udhas and Alka Udhas sang this song together. The song begins with Alka's voice. During that era, Alka used to provide vocals for almost every other song. While people often think that this song was sung by Kumar Sanu or Udit Narayan, but in reality the song was sung by Pankaj Udhas's elder brother Manhar Udhas. This song was liked a lot in his voice. However, in that era, there were many songs of Manhar Udhas which were liked a lot and this song was one of them. The music of this song was given by Anand-Milind while it was written by Sameer. Let us tell you that the film 'Jaanwar' was made by Sunil Darshan and along with Karisma-Akshay, Kader Khan, Shilpa Shetty and many other stars were seen in the film. The film was a super hit at the box office.

Surbhi Jyoti shares first glimpse of daughter, baby girl seen holding father's hand

TV actress Surbhi Jyoti and Sumit Suri became parents to a lovely daughter on June 13th. Recently, Surbhi shared the first photo of her daughter. TV star Surbhi Jyoti and her husband, actor-producer Sumit Suri, became new parents. The actress gave birth to a daughter on June 13th, adding to the couple's joy. Surbhi shared a cute photo: Recently, the actress shared a sweet photo of her daughter that is truly touching and will melt anyone's heart. In the photo, Surbhi Jyoti is seen holding her newborn baby girl's finger, holding her father Mohit Suri's finger. Surbhi also wrote a sweet caption with the photo. She wrote, "This is it and nothing else." Surbhi Jyoti thoroughly enjoyed her pregnancy journey. The actress has been sharing numerous photos with her fans every day. Her baby shower photos were well-received. Married in 2024 - Surbhi Jyoti and Sumit Suri married in a private ceremony at Jim Corbett Resorts in Uttarakhand in October 2024. In February 2026, the couple announced that they were expecting their first child. Career-wise, Surbhi is one of the most sought-after actresses in the television industry. She has been well-received for her roles as Zoya in "Qubool Hai" and Bela in "Naagin 3." She has also appeared in serials like "Ishqbaaz," "Tanhaiyan," and "Koi Laut Ke Aaya Hai." Currently, the actress is taking a break from her career and enjoying her happiest motherhood experience to date.